गैर संचारी रोग रोकथाम के लिए उपचार माह प्रारंभ

जगदलपुर,15 मई (सन्यूस)। बस्तर के लोगों की जीवनशैली में भी बदलाव के कारण वर्तमान मे बढ़ रहे गैर संचारी रोग पर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा 15 मई से 15 जून तक 'गैर संचारी रोग रोकथाम और उपचार माह' का आयोजन किया जा रहा है। वर्तमान में मृत्यु के बढ़ते कारणों में गैर सचारी रोगों की भागीदारी लगभग 60 प्रतिशत से अधिक है। यदि 'स्वस्थ्य जीवन शैली' अपनाई जाए तो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर एवं पक्षाघात, ट्रामा जैसी गंभीर रोगों से हमारे जनसमुदाय को काफी हद तक बचाया जा सकता है। अभियान अवधि में 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का मधुमेह जांच, उच्च रक्तचाप जांच, महिलाओं में स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्कीनिंग एवं पुरूष तथा महिलाओं में मुंह के कैंसर की स्कीनिंग की जाएगी।

बस्तर में 15 हजार 500 का लक्ष्य

राज्य द्वारा जिले को 15 हजार 500 व्यक्तियों के जांच एवं उपचार का लक्ष्य रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग लक्षित आयु समूह के सभी व्यक्तियों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्रों में 15 मई से 15 जून 2019 के बीच जाकर जांच एवं उपचार की सुविधा निःशुल्क प्राप्त कर सकते है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया अभियान की सफलता के लिए जिले के समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकरियों, खण्ड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारियों एवं खण्ड कार्यक्रम प्रबंधकों को अभियान के सफल क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए है।

जैनेटिक भी कर रहा प्रभावित

डाक्टर नॉग ने बताया कि पिछ्ले 10 साल में रोगों की जीवन शैली में बदलाव होने के कारण यह बीमारियां बहुत तेजी से बढ़ रही है। यह बीमारियां हमारे खान पान एवं जीवन शैली की अनियमिता होने सेए प्रदूषण की वजह से और वह सारी बीमारियां जो हमे जैनेटिक रूप में किसी न किसी हद तक मिलती है, सभी गैर संचारी रोग की परिभाषा में आती है। इसमें मुख्य रूप से उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, ब्रेन स्ट्रोक (लकवा) मधुमेह, कैंसर तथा थायरायड की समस्या जो हर वर्ग को प्रभावित कर रही है, जो हमारे लिए चिंता का विषय है।

5 प्राथमिक और 25 उप स्वास्थ्य केंद्र

जिले में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों को सर्व सुविधा युक्त बनाया जा रहा है तथा समग्र प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए जिले के विकासखण्ड बकावण्ड, जगदलपुर एवं तोकापाल के अधीन 25 उप स्वास्थ्य केन्द्रों 05 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को 'हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर' के रूप में विकसित किया गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जिला अस्पतालों में 'स्वास्थ्य जीवन शैली केन्द' संचालित किए जा रहे हैं जहां मरीजों को उचित उपचार उपलब्ध कराया जाता है। अभियान अवधि में सभी 'हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर' एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं से भी आम जनता जांच एवं उपचार करा सकते हैं।

इन्द्रावती जल संकट को लेकर ठोस पहल जरूरी

◆ चुनाव बाद उठाया जायगा कदम-लखेश्वर

जगदलपुर,15 मई (सन्यूस)। बस्तर की जीवन दायिनी इंद्रावती नदी को बचाने के लिए एक जल आंदोलन प्रारंभ किया गया है। वहीं आशंका व्यक्त की जा रही है कि आने वाले दिनों में जन आंदोलन उग्र रूप धारण करेगा। जंहा दो राज्यों के बीच में जल विवाद को लेकर संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

बस्तर के बयोवृध्द धरमपाल सैनी ने कहा कि इंद्रावती नदी का जल स्तर धीरे धीरे बस्तर मे कम होते जा रहा है। जहां दो सौ से अधिक गांव इस जल संकट की चपेट में है। स्थिति को देखते हुये जोरानाला से चित्रकोट तक गत आठ मई से जन आंदोलन चलाया जा रहा है। जो अंतिम चरण चित्रकोट में समाप्त होगा। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य को पानी चाहिए और उडिसा राज्य पानी देना नहीं चाहती। उडिसा के इलाके में 14 हजार पंप लगाकर बारह मासी अपने खेत खलियान हो सिचिंत कर रहें हैं और बस्तर क्षेत्र में खेत खलियान सूखे पड़े हैं। श्री सैनी ने कहा कि अगर ऐसी हालत रही तो आने वाले दिनों में दोनों राज्यों के बीच एक संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है इससे इंकार नहीं किया जा सकता। क्योंकि उड़िसा के लोग पानी देना नहीं चाहते और हम पानी लेकर रहेगें। उन्होने कहा कि सरकार को इस दिशा में शीघ्र ही ठोस पहल करना चाहिए।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री आदिवासी नेता अरविंद नेताम ने कहा कि इंद्रावती नदी के मसले को लेकर राज्य सरकार को उडिसा सरकार के बीच जो एक अनुबंध हुआ है इसका शीघ्र अध्ययन कर उडिसा सरकार से बात करे। नहीं तो दिन ब दिन स्थिति गंभीर होती जा रही है जो आगे चलकर राज्य सरकार के नियंत्रण के बाहर होगा। श्री नेताम ने कहा कि 1999 में एक पहल कर इंद्रावती नदी को बचाने के लिए उडिसा सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री गिरधर गोमागो और तत्कालीन मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री दिग्गविजय सिंह के साथ जगदलपुर में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई थी जिसमें तय किया गया था कि पूर्व में अनुबंध के अनुसार 45 टीएमसी पानी गर्मी या ठंड़ के मौसम में दिया जायेगा। पर इस अनुबंध पर उडिसा सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल ने कहा कि आगामी बैठक में इंद्रावती पर गंभीरता पूर्वक विचार किया जायेगा और चुनाव के बाद स्थिति को देखते हुये बस्तर के विधायकों का एक दल उडिसा सरकार से इंद्रावती पर चर्चा करने जायेगा, ताकि जल सकंट का निराकरण हो सके।

विदित हो कि इंद्रावती नदी का उदगम स्थल कालाहाण्डी जिले के रामपुर धनुमाल गांव से हुआ। नदी 164 किलो मीटर उडिसा में बहती है। उडिसा सरकार ने नवरंगपुर जिला में अपर इंद्रावती प्रोजेक्ट खातीगुड़ा के नाम से सिंचाई एंव पन बिजली हेतु इंद्रावती नदी पर बांध का निर्माण किया। जिसका कैचमेंट एरिया 2610 किलो मीटर है। बस्तर में इंद्रावती नदी का जल प्रवाह 233 किलो मीटर में बहते हुये बीजापुर जिले के तिमेड़ गोदावरी नदी में समाहित हो जाती है। जिसका कैचमेंट एरिया 2582 किलो मीटर है । सिंचाई विभाग के अनुसार उडिसा सरकार के अनुबंध के मुताबिक 45 टीएमसी पानी देने का करार हुआ था जो पूरा नहीं किया जा रहा है।

ग्रीन बस्तर फाउंडेशन कर रहा पर्यावरण के प्रति जागरूक

जगदलपुर,15 मई (सन्यूस)। ग्रीन बस्तर फ़ाउंडेशन संस्था के द्वारा महात्मा गांधी महिला एवं बाल विकास कल्याण संस्थान जगदलपुर 12 मई को पर्यावरण संरक्षण के लिए क्षेत्र में वृक्षारोपण तथा पर्यावरण शिक्षा की दिशा में जागरूकता लाने का प्रयास किया गया। इस तारतम्य में चित्रकला प्रतियोगिता संस्था में वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या एवं निदान पर विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। बच्चों के मनोबल को बढ़ाने के लिए उन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान की संचालिका सुश्री नायडू का विशेष योगदान रहा। ग्रीन बस्तर फाउंडेशन की अध्यक्ष मीनाक्षी सिंह ने कहा है कि भविष्य में पर्यावरण सरक्षण एवं प्रदूषण की समस्या के निवारण हेतु संस्था सदैव प्रतिबद्ध रहेगी। महात्मा गांधी महिला एवं बाल विकास कल्याण की संचालिका सुश्री नायडू ने ग्रीन बस्तर फ़ाउंडेशन की उल्लेखनीय कार्य की प्रशंसा की तथा भविष्य में ऐसे अन्य कार्यक्रम आयोजित करने को प्रोत्साहित किया।

ग्रीन बस्तर फाउंडेशन की नींव

इसी कार्यक्रम के तहत 22 अप्रैल को पर्यावरण संरक्षण के लिए क्षेत्र में वृक्षारोपण तथा पर्यावरण शिक्षा की दिशा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 के अंतर्गत अंचल में ग्रीन बस्तर फाउंडेशन, जगदलपुर की नीव रखी गई है। ग्रीन बस्तर फाउंडेशन ने 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस के अवसर पर संस्कार स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया । इस तारतम्य में चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई तथा बच्चों के मनोबल को बढ़ाने के लिए पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्कार स्कूल की प्रिन्सिपल पॉल का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर ग्रीन बस्तर फ़ाउंडेशन के सभी सदस्य मीनाक्षी सिंह, रीतू सिंह, सुषमा श्रीरामा, किरण चतुर्वेदी, शैली राजपूत, संगीता साहू, आकांक्षा वर्मा, सरिता यादव तथा स्कूल के अध्यापकगण छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहें। ग्रीन बस्तर फाउंडेशन की अध्यक्ष मीनाक्षी सिंह ने कहा है कि भविष्य में पर्यावरण सरक्षण एवं प्रदूषण की समस्या के निवारण हेतु संस्था सदैव प्रतिबद्ध रहेगी। संस्कार स्कूल की प्रिन्सिपल पॉल ने संस्था के उल्लेखनीय कार्य की प्रशंसा की तथा भविष्य में फाउंडेशन ऐसे अन्य कार्यक्रम आयोजित करने को प्रोत्साहित किया।

गाज गिरने से मवेशी की मौत, एक घायल

भानपुरी,15 मई (सन्यूस)। ग्राम पंचायत घाटलोहंगा के मांझी पारा में गत सोमवार को हुई बारिश उस समय कहर बनकर टूटी जब एक मवेशी मालिक की दो बैल आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए जहां एक मवेशी की मौके पर मौत हो गई वहीं एक घायल हो गया।

सोमवार शाम लगभग 5:00 बजे आंधी तूफान के साथ तेज बारिश होने लगी। ग्राम पंचायत घाटलोहंगा के मांझी पारा निवासी पटेल तिरु राम बघेल के घर के समीप स्थित पेड़ के पास उसके दो बैल बंधे हुए थे तभी आंधी तूफान के साथ आकाशीय बिजली गाज गिरी जिसके चपेट में दो बैल आ गए बैल मालिक ने बताया कि दोनों बैल की कीमत 55 हजार रुपए है। यह बैल की उसके खेती के एकमात्र साधन थे। घटना की सूचना पटवारी अर्चना तिर्की को दी गई पटवारी घटनास्थल पर पहुंचकर प्रकरण बनाने में जुट गई।

बस्तर ब्लास्टर व कुकानार नाइट राइडर विजयी

जगदलपुर,15 मई (सन्यूस)। बस्तर जिला युवा क्रिकेट संघ के तत्वाधान में स्थानीय लालबाग मैदान में चल रहे बस्तर टी-20 लीग प्रतियोगिता में बुधवार को खेले गये पहले मैच में बस्तर ब्लास्टर ने जगदलपुर वारियर्स को और दूसरे मैच में कुकानार नाइट राइडर ने राजपुताना रायल को पराजित किया। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगदलपुर वारियर्स, कुकानार नाइट राइडर व इंद्रावती फाइटर सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। अंतिम सुपर सिक्स का मुकाबला कालीपुर सुपर किंग्स विरूद्ध इंद्रावती फाइटर के बीच आज खेला जायेगा। कालीपुर यदि मैच जितती है तो वह सेमीफाइनल की चौथी टीम होगी।

आज का पहला मैच बस्तर ब्लास्टर विरूद्ध जगदलपुर वारियर्स के बीच खेला गया। बस्तर ब्लास्टर टीस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। जगदलपुर वारियर्स टीम के गेंदबाज निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 143 रन बनाये। जिसमें बल्लेबाज मनीष ने 42 गेंदों पर 2 छक्के और 4 चौके की मदद से 52 रन बनाये। अरूण ने 12 गेंदों पर 17 रन बनाये। बस्तर ब्लास्टर टीम के गेंदबाज जयदीप ने 4 ओवर में 22 रन देकर 2 खिलाड़ियों का आउट किया। वहीं अमर वर्मा ने 4 ओवर में 23 रन देकर 3 खिलाड़ियों का आउट किया। 144 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे बस्तर ब्लास्टर टीम के बल्लेबाजों ने 18 ओवर में ही लक्ष्य प्राप्त कर मैच में जीत हासिल किया। अंतिम क्रम के बल्लेबाज भूपेन्द्र ने आकर्षक बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। बल्लेबाज अविनाश ने 11 गेंदों पर 25 रन बनाये। राजू ने 24 गेंद पर 31 रन और आशिष ने 18 गेंदों पर 19 रन का योगदान दिया। मेन आफ द मैच भूपेन्द्र को चुना गया।

दूसरा मैच कुकानार नाइट राइडर विरूद्ध राजपुताना रायल के बीच खेला गया। मौसम खराब होने के चलते मैच 12 ओवर का हुआ। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजपुताना रायल टीम के बल्लेबाजों ने 4 विकेट खोकर 85 रन बनाये। जिसमें बल्लेबाज करनदीप ने 32 गेंदों पर 1 छक्के और 5 चौके जड़ते हुए 44 रन बनाये। उपेन्द्र ने 16 गेंदों पर 16 रन का योगदान दिया। कुकानार नाइट राइडर के गेंदबाज आलोक ने 2 ओवर में 14 रन देकर 1 विकेट लिये और प्रीतपाल ने 3 ओवर में17 रन देकर 1 खिलाडी को आउट किया। 96 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे कुकानार नाइट राइडर टीम के बल्लेबाजों ने 8 ओवर में ही 2 खिलाड़ियों को खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज सद्दाम ने 24 गेंदों पर 53 रन बनाये। जिसमें 6 छक्के और 3 चौके शामिल हैं। मेन आफ द मैच प्रीतपाल को चुना गया। एम्पायर की भूमिका टोनी व गौरव ने निभाया।

किसानो की गिरफ्तारी के लिए रमन सरकार की नीतियां जिम्मेदार-कांग्रेस

जगदलपुर,15 मई (सन्यूस)। बस्तर मे दो किसानों के अदालत के निर्देश पर गिरफ्तारी मामले को कर्जमाफी से जोड़कर भाजपा झूठा दुष्प्रचार कर रही है। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता आलोक दुबे ने कहा है कि बस्तर के दोनों किसान पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार के शिकार हुये है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार के समय सत्ता में बैठे लोगों के संरक्षण में कुछ दलाल किस्म के लोग किसानो को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर उनसे सुनियोजित ठगी को अंजाम दे रहे थे। दलालो ने ड्रिप इरिगेशन लगाने के लिए बैंकों से ऋण दिलाने एवं कृषि विभाग से अनुदान दिलाने के लिए इन किसानों के जमीन के पेपर, चेक और फोटो ले लिया था और किसानों की जानकारी के बिना उनके नाम से बैंक से ऋण ले लिया गया। बैंक ने जब किसानों से ऋण की वसूली के लिए चेक लगाया तब किसान के चेक बाउंस हो गया और चेक बाउंस का प्रकरण में किसानों की माननीय न्यायालय के निर्देश पर गिरफ्तारी हुई। पूरे प्रकरण में पूर्व भारतीय जनता पार्टी की सरकार दोषी है जिसके संरक्षण में कमीशनखोर भ्रष्टाचारी फलते फूलते रहे है। दुर्भाग्यजनक है कि उस समय सरकार के कृषि विभाग के भ्रष्ट अधिकारी भी इस षडयंत्र में शामिल थे। उस दौरान किसानो की शिकायतो पर भाजपा सरकार कार्यवाही नहीं करती थी। बल्कि किसानों के साथ ठगी करने वाले को संरक्षण देती रही है।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता आलोक दुबे ने कहा है कि बस्तर के किसानों की गिरफ्तारी के लिए पूर्व की रमन सरकार और भाजपा की तत्कालीन सरकार की नीतियां जिम्मेदार है। इस पूरे मामले को कांग्रेस सरकार ने गंभीरता से लिया है। जिला प्रशासन को दोनों किसानों को विधिक सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिये गये है। ताकि उनकी जमानत हो सके। किसानों के साथ धोखाधड़ी मामले में बैंक दलाल और संबंधितो कड़ी कार्यवाही के निर्देश दे दिये गये है। इस मामले की जांच जिला प्रशासन द्वारा अनुविभागीय दण्डाधिकारी के माध्यम से कराई जा रही है। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता आलोक दुबे ने कहा है कि भूपेश बघेल की सरकार के किसानों के हित में लिये गये इन निर्णयों से भाजपा विचलित हो गयी है। उसे अपनी राजनैतिक जमीन खिसकती नजर आ रही है। इसी लिये वह झूठे और मनगढंत आरोप लगाने की ओछी राजनीति कर रही है।

कर्ज दिलाने के चक्कर में फंस रहे किसान- तोड़ेम

इस मामले में पूर्व विधायक राजाराम तोड़ेम ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर के भोले भाले आदिवासी किसान आसानी से विभिन्न कंपनियों के दलालों द्वारा बैंक से कर्ज दिलाने के चक्कर में फंस रहे हैं। दो किसानों को कर्ज अदा न करने के आरोप में जले भेजा गया, यह आदिवासी किसान के साथ घोर अत्याचार है। आदिवासी किसान भोला भाला होता है वह छल कपट को समझ नहीं पाता और दलालों के चक्कर में फंस जाता है। बस्तर जिले में ऐसे कई गैर सरकारी एजेंसियां है जो बस्तर के लोगों को जिसमें किसान व आम नागरिक दोनों शामिल हैं। उन्हें प्रलोभन देकर बैंकों से कर्ज दिलाकर अपना उल्लु सीधा करने में लगे हैं। इन एजेंसियों की भी गंभीरता से जांच होनी चाहिए और दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए।

नक्सलियों ने किया 18 को बस्तर बंद का आव्हान

◆ जगह-जगह खोद डाले सड़क

जगदलपुर,15 मई (सन्यूस)। नक्सलियों ने दंतेवाड़ा जिले के विभिन्न गांवों में परचे एवं बेनर लगाकर पुलिस मुठभेड़ को फर्जी करार देते हुए इसके विरोध में 18 मई को बस्तर बंद का आव्हान किया है।

गुनियापाल, हिरोली, पीरनार सड़क को नक्सलियों ने पूरी तरह से खोदकर गहरे गड्ढों में तब्दील कर दिया है। इसके साथ ही सड़क पर पेड़ काटकर डाल दिए हैं, ताकि आवागमन अवरूद्ध हो सके।

नक्सलियों ने बेनर एवं पोस्टरों में लिखा है कि कांग्रेस सरकार के कार्पोरेट परस्त-जन दमनकारी योजनाओं के खिलाफ 18 मई को दिन-दरभा डिविजन बंद सफल बनाएं। डुवालीकरका और पेरपा में हुई फर्जी मुठभेड़ों की निंदा करें। गोंडेरास में पुलिस द्वारा किया गया हत्याकांड और बर्बरतापूर्ण कार्रवाई के विरोध में आवाज बुलंद करें। फर्जी मुठभेड़ों, नरसंहारों में लिप्त पुलिस अधिकारियों को सजा दिलाने की मांग करें। नक्सलियों की दरभा डिवीजन की मलांगीर एरिया कमेटी ने सड़क रास्ते पर गहरे गड्ढे खोदे हैं। साथ ही पास के पेड़ों में पर्चे पोस्टर लाल बैनर टांगकर पुलिस मुठभेड़ को पूरी तरह फर्जी बताया है।